राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

राजस्थान सरकार

RSCERT Udaipur

हवामहल

बच्चों का झरोखा

27 जनवरी 2024: शनिवार: वर्ष – 04: अंक – 41

देश मेरे देश

आज की कविता

"देश मेरे देश तेरा कितना प्यारा नाम है तेरे झंडे को सलाम है।" अभी अभी गई है 26 जनवरी और हमने देखा सभी जगह फहराता हुआ तिरंगा झण्डा। बच्चे और बड़े सबने इसको सलाम किया। तुमने झंडे का गीत सुना है क्या? क्या हैं इसके तीन रंग? क्या है इसकी शान? पूरी कविता सुनने के लिए इस चित्र पर क्लिक करें ।

3+ वर्ष के बच्चों के लिए। Nimboo Kids

हमारा संविधान

आज की कहानी

हम अक्सर स्कूलों में तरह तरह की प्रतिज्ञाएँ सुनते हैं, जिनमें मिलजुलकर रहने, एक दूसरे का आदर करने और सबके लिए सुरक्षित जगह बनाने का संकल्प दुहराया जाता है। क्या आपको मालूम है यह संकल्प कहाँ से लिया जाता है? यह हमारे संविधान की आमुख प्रस्तावना से लिया गया है। तो आइए जानते हैं हमारे संविधान के बारे में। चित्र पर क्लिक कर विडियो देखें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। EI _Study

आज़ादी की नुक्ती

आज की किताब

गणतंत्र दिवस हो या स्वतंत्रता दिवस, कई बार छोटे बच्चों के लिए इसमें कुछ खास आकर्षण नहीं होता है । वे बस आयोजन की धूम धाम, सजावट, मौज मस्ती और इस दिन स्कूल की तरफ से मिलने वाली मिठाई से ही जोड़कर अपनी खुशी देखते हैं। ऐसी ही कुछ कहानियों का एक गुच्छा है आज़ादी की नुकती। आइए पढ़ते हैं ये कहानियाँ। पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें ।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Eklavya

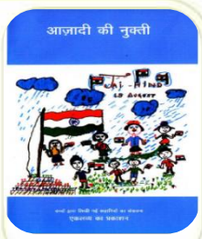

गणतंत्र दिवस का बैज़

आज की गतिविधि

आयोजनों में वॉलेनटीयर्स के प्रमुख भूमिका होती है। और उनकी पहचान भी उस दिन कुछ खास ही रहती है। कई बार उनके लिए ड्रेस कोड भी होते हैं। लेकिन सबसे मजेदार होते हैं उनके रंग बिरंगे और खास आकार प्रकार के बैज जो उन्हें एक खास पहचान देते हैं। तो आइए हम भी अपने गणतंत्र दिवस पर एक खास बैज बनाना सीखें। विधि देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें ।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Arvindgupta Toys

कक्षा का संविधान संकल्प

टीचर्स कॉर्नर

सामाजिक विज्ञान पढ़ाते समय अमूर्त अवधारणाओं को भी अक्सर व्याख्यान विधि से पढ़ा दिया जाता है। बच्चे इसे जान तो लेते हैं पर समझ नहीं पाते जबकि यह जीवन से और समाज से जुड़ा हुआ विषय है। केवलानंद कांडपाल अपने इस आलेख में बता रहे हैं कि कैसे बच्चों ने अपनी कक्षा का संविधान संकल्प बनाया और संविधान निर्माण की प्रक्रिया समझी। आलेख के लिए चित्र पर क्लिक करें ।

शिक्षकों के लिए। Pathshala

संवैधानिक मूल्यों का शिक्षण

हमारा पुस्तकालय

स्कूल/कक्षा में संवैधानिक मूल्यों का शिक्षण कैसे हो?' मूल संवैधानिक वायदों; सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता; प्रतिष्ठा और अवसर की समता; आदि पर बच्चों के साथ संवाद कैसे हो? लोकतंत्र के लिए इन मूल्यों के निहितार्थ क्या है? इन मूल्यों की समझ बनाने के तरीको पर विमर्श करता यह आलेख पढ़ें। पढने के लिए चित्र पर क्लिक करें ।

शिक्षकों के लिए। Pathshala

गणतंत्र दिवस विशेषांक

साथियों, हवामहल का 196वाँ अंक गणतंत्र दिवस विशेषांक आपके हाथों में हैं। खुद जुड़िये और अपने दोस्तों को भी जोड़िए। बताइएगा कि यह अंक कैसा लगा? शुभकामनायें।

आज का अंक आपको कैसा लगा? अपने सुझावों से अवगत कराने के लिए सुझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक करें।